an>

Title: Regarding allegedly engineering defection detrimental to the health of Parliamentary democracy.

माननीय अध्यक्ष : अब शून्य काल -- श्री अधीर रंजन चौधरी ।

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY (BAHARAMPUR): Sir, I would like to flag the attention of the Chair and also the attention of the august House to a long cherished dream of the people of our country, who were subjugated by the imperialist regime of Britishers, which had culminated in the attainment of freedom, of course, at the cost of innumerable lives lost, trials and tribulations etc.

Sir, after the attainment of freedom, we have framed our Constitution by sifting through all other available constitutions across the globe, under the leadership of Baba Saheb Ambedkar.

13.00 hrs

Sir, in order to perpetuate the freedom of our country, we also exhausted all our endeavours to bolster and to consolidate the democratic institutions and preferred parliamentary democracy. But now, that very parliamentary democracy has been the victim of conspiracy and other undermining activities.

हम आज देख रहे हैं कि मध्यप्रदेश, कर्नाटक, जहां हमारी सरकारें हैं, सरकार को तोड़ने के लिए, दल-बदलू की हरकत की जा रही है । दल-बदलू को अंजाम देने के लिए, यह सरकार गुप्त तरीके से साजिश रच रही है ।... (व्यवधान) इनको पसंद नहीं है कि विपक्ष की कोई सरकार कहीं पर रहे । सर, यह सबसे बड़ा चिंता का विषय है । यह कहेंगे कि तुम्हारा एमएलए न रहे तो मैं क्या करूं । ये हमारी पार्टी के एमएलएज को मुंबई ले गए और आलीशान होटल

में रखा है ।...(व्यवधान) इनके पार्टी के एमपी की चार्टर्ड फ्लाइट में सभी एमएलएज को ले जाया जाता है ।...(व्यवधान) सर बड़े अचरज की बात है कि जो दल-बदलू एमएलए, जिस दिन कर्नाटक के राज्यपाल साहब के पास गए, राज्यपाल के दफ्तर से निकलते ही, उनके लिए गाड़ी, प्लेन और होटल तैयार है । इससे यह साबित होता है कि इसके पीछे प्रीडिटरमाइन्ड वेल कलकुलेटेड एक डिजाइन है ।...(व्यवधान) ये कहेंगे कि अगर तुम्हारा एमएलए न रहे तो मैं क्या करूं, सही बात है ।...(व्यवधान)

मिसाल के तौर पर मैं सभी से कह रहा हूं कि मान लीजिए कि मेरे घर 10 चांदी के सिक्के हैं और 10 सोने के सिक्के हैं ।...(व्यवधान) मेरा रख-रखाव कुछ नहीं है । मेरा पहरेदार नहीं है । इसलिए उसका रख-रखाव ठीक से नहीं हो पाता है । इसका मतलब यह नहीं है कि चोर आएगा और वह चांदी और सोने के सिक्के ले कर चला जाएगा ।...(व्यवधान) क्या यह वाजिब है कि हम अपने घर में कुछ रख दें और चोर लूट कर ले जाए।...(व्यवधान) क्या यह वाजिब होगा? यह सरकार कहती है कि हम लोकतंत्र को मानते हैं, लेकिन ये लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रहे हैं । ...(व्यवधान) *आपके* ... * उन्हें फ्लाइट से उड़ा कर ले जा रहे हैं ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : टी. आर. बालू जी ।

...(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : वजह क्या है, यह सभी जानते हैं ।...(व्यवधान) आप कहते हैं कि हम 303 लोक सभा सीटें जीत चुके हैं, लेकिन आपका पेट नहीं भरा है ।...(व्यवधान) ... *

माननीय अध्यक्ष : टी. आर. बालू जी की बात रिकॉर्ड में जाएगी ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : टी. आर. बालू जी, एक मिनट रुकिए ।

संसदीय कार्य मंत्री; कोयला मंत्री तथा खान मंत्री (श्री प्रहलाद जोशी): अध्यक्ष महोदय, मेरा यह रिक्वेस्ट है कि उन्होंने जो विषय उठाया है ।

माननीय अध्यक्ष : माननीय राजनाथ सिंह जी ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, यह सदन के उपनेता हैं ।

माननीय रक्षा मंत्री जी ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अभी सरकार भंग नहीं की है ।

रक्षा मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): अध्यक्ष महोदय, कर्नाटक में इस समय जो कुछ भी हो रहा है, उससे हमारी पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है । आज तक हमारी पार्टी का इतिहास रहा है कि किसी दूसरी राजनीतिक पार्टी के संसद सदस्य अथवा विधायक के ऊपर प्रेशर बिल्ड-अप करके अथवा उसको किसी प्रकार का प्रलोभन दे कर, दल-बदल कराने की हम लोगों ने कोशिश नहीं की है ।…(**व्यवधान**) हम लोगों ने यह इसलिए नहीं की है कि संसदीय लोकतंत्र की गरिमा, पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी की गरिमा को बनाए रखने के प्रति, हम लोग पूरी तरह से कमिटेड हैं ।

जो भी प्रश्न नेता कांग्रेस और टीएमसी के नेताओं द्वारा उठाया गया, उसके लिए मैं कहना चाहता हूं कि त्याग-पत्र दिलाने का सिलसिला हम लोगों ने प्रारम्भ नहीं किया है । कांग्रेस में राहुल गांधी जी ने ही त्याग-पत्र देने का सिलसिला प्रारम्भ किया । उन्होंने स्वयं अपने लोगों को त्याग-पत्र देने के लिए कहा है । आपने देखा कि एक से एक दिग्गज नेता त्याग-पत्र देने का काम कर रहे हैं और त्याग-पत्र देने का सिलसिला लगातार चल रहा है । यह बात हमारी समझ में नहीं आ रही है कि भारतीय जनता पार्टी का इससे क्या लेना-देना है ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप प्लीज बैठ जाएं ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी पार्टी के माननीय सदस्य बोल चुके हैं । बोलने के साथ सुनने का भी माद्दा रखिए ।

…(व्यवधान)